प्रेस विज्ञप्ति

23/09/2025

ईडी ने वित्तीय अपराध आयोग (एफसीसी), मॉरीशस के लिए धन शोधन और वित्तीय खुफिया पर तकनीकी सहायता कार्यक्रम आयोजित किया

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), भारत ने वित्तीय अपराध आयोग (एफसीसी), मॉरीशस के अधिकारियों को **22** से **26** सितंबर**, 2025** तक विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम को मॉरीशस में प्रतिनियुक्त किया है। यह पांच दिवसीय कार्यक्रम इस वर्ष के प्रारंभ में मार्च **2025** में वित्तीय अपराधों से निपटने में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से हस्ताक्षरित ईडी-एफसीसी समझौता ज्ञापन (एमओयू) के ढांचे (फ्रेमवर्क) के तहत आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मॉरीशस द्वारा **2025** में किए गए दूसरे राष्ट्रीय जोखिम मूल्यांकन द्वारा चिह्नित धन शोधन (एएमएल) के खतरों और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और वित्तीय अपराध आयोग (एफसीसी) के नव-नियुक्त जाँचकर्ताओं और परिसंपत्ति वसूली पेशेवरों की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं पर केंद्रित है। इन सत्रों में धन शोधन जाँच, वित्तीय खुफिया, परिसंपत्ति वसूली और साइबर अपराध सहित विभिन्न विषयों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग से संबंधित विभिन्न प्रमुख पहलुओं पर व्यावहारिक कार्यशालाएँ शामिल हैं। ये सत्र वित्तीय अपराध जाँच के संबंध में सक्रिय बातचीत, अनुभवों के आदान-प्रदान और सर्वोत्तम प्रचलनों के विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार (डिज़ाइन) किए गए हैं।

प्रशिक्षण का आधिकारिक उद्घाटन **22** सितंबर**, 2025** को रेडुइट ट्रायंगल, मोका, पोर्ट लुई, मॉरीशस स्थित एफसीसी सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय धनेश्वर डैमरी, कनिष्ठ वित्त मंत्री और एफसीसी संसदीय समिति के अध्यक्ष, और श्री तित्रुदेव दाऊदरी, एफसीसी के कार्यवाहक महानिदेशक, उपस्थित थे।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए, प्रवर्तन निदेशालय (मुख्यालय) के विशेष निदेशक ने भारत और मॉरीशस के बीच घनिष्ठ संबंधों पर ज़ोर दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कथन को याद किया: "भारत और मॉरीशस सिर्फ़ साझेदार नहीं, बल्कि एक परिवार हैं।" उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थागत सहयोग को गहरा करना, तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय अपराधों से निपटने के साझा उद्देश्य को समर्थन देना है।

यह पहल वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के मानकों और वैश्विक समझौतों के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए ईडी के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। यह ईडी-एफसीसी सहयोग में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में संयुक्त जाँच, तकनीकी सहायता और बेहतर खुफिया साझा करने की नींव रखता है।

Leading the fight
against
FINANCIAL CRIMES
in Mauritius